जनजातीय गौरव वर्ष 2025

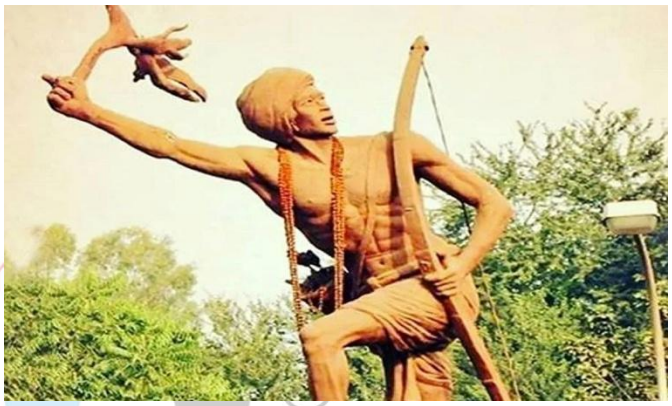

खबरों में क्यों

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और राष्ट्रीय गीत "**वंदे मातरम**" के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में भारत वर्तमान में **जनजातीय गौरव वर्ष 2025** के तहत राष्ट्रव्यापी उत्सव मना रहा है। ये उत्सव भारत के स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय नेताओं के ऐतिहासिक योगदान और जनजातीय विरासत के सांस्कृतिक महत्व को उजागर करते हैं।

जनजातीय गौरव वर्ष 2025 के बारे में

जनजातीय गौरव वर्ष 2025 एक वर्षव्यापी राष्ट्रव्यापी पहल है जिसका उद्देश्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत का सम्मान करना है, विशेष रूप से **भगवान बिरसा मुंडा**, जिन्हें "**धरती आबा**" के रूप में भी पूजा जाता है। यह पहल प्रतिष्ठित राष्ट्रीय गीत "**वंदे मातरम**" के 150 वर्ष पूरे होने का भी स्मरणोत्सव है। इसका लक्ष्य भारत की सांस्कृतिक पहचान और राष्ट्र निर्माण में जनजातीय योगदान के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

शामिल संगठन

- **जनजातीय कार्य मंत्रालय (MoTA):** नोडल समन्वय एजेंसी
- **समर्थन:** जनजातीय अनुसंधान संस्थान (TRIs), राज्य सरकारें, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS), और सांस्कृतिक संगठन।

उद्देश्य

- भारत की जनजातीय विरासत, उनके **लचीलेपन** (resilience) और देशभक्ति का उत्सव मनाना।
- **सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास** के अनुरूप राष्ट्रीय गौरव और सांस्कृतिक समावेशिता को बढ़ावा देना।

मुख्य विशेषताएँ

- **सांस्कृतिक स्मरणोत्सव:** सामूहिक कार्यक्रम, प्रदर्शनियाँ, और **जनजाति गौरव यात्राएँ** जो जनजातीय नायकों और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उनकी भूमिका को उजागर करती हैं।
- **शैक्षिक पहुँच:** छात्रों के बीच जनजातीय इतिहास की जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतियोगिताएँ, साक्षरता कार्यशालाएँ और संग्रहालय भ्रमण।
- **सामुदायिक सशक्तिकरण:** जनजातीय सामाजिक-आर्थिक समावेशन को बढ़ावा देने के लिए **EMRS स्कूलों** में डिजिटल और वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम।
- **राष्ट्रीय एकता:** एकता और राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा देने के लिए राज्यों में **वंदे मातरम का सामूहिक गायन**, खेलकूद प्रतियोगिताएँ और कला प्रदर्शनियाँ।

- **समावेशी विकास पर ध्यान:** झारखंड, ओडिशा, गुजरात, नागालैंड और लद्दाख जैसे राज्यों में कार्यक्रम आयोजित करना, जो पारंपरिक संस्कृति को समकालीन आकांक्षाओं के साथ मिश्रित करते हैं।

प्रमुख आकर्षण

अंबाजी और उमरगाम से लेकर **स्टैच्यू ऑफ यूनिटी (एकता नगर)** तक निकाली जाने वाली **जनजाति गौरव यात्रा** (Tribal Pride March) जनजातीय विरासत के माध्यम से राष्ट्रीय एकता का प्रतीक है।

IAS-PCS Institute

UPSC प्रारंभिक परीक्षा – अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1.जनजातीय गौरव वर्ष 2025 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती और राष्ट्रीय गीत *वंदे मातरम* के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मनाया जा रहा है।
2. इन उत्सवों के आयोजन के लिए **संस्कृति मंत्रालय** नोडल एजेंसी है।
3. इस पहल का उद्देश्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक समावेशन को मजबूत करना है।

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1 और 3
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a) केवल 1 और 3

Result Mitra
रिजल्ट का साथी

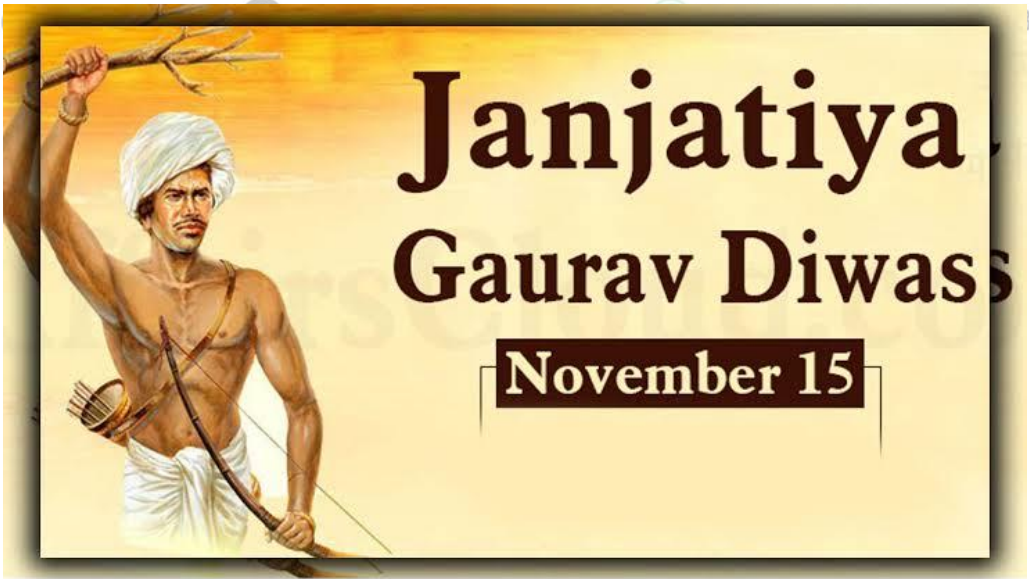

प्रश्न 2.जनजातीय गौरव वर्ष 2025 के तहत गतिविधियों को लागू करने में निम्नलिखित में से कौन-से संगठन या संस्थान सीधे तौर पर शामिल हैं?

1. जनजातीय अनुसंधान संस्थान (TRIs)
2. एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (EMRS)
3. केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)
4. राज्य सरकारें

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) केवल 1, 2 और 4
(b) केवल 1, 3 और 4
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a) केवल 1, 2 और 4

IAS-PCS Inst
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806